RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
जुलाई
24
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

अमेरिका यूनेस्को से बाहर निकलेगा / America will leave UNESCO

संदर्भ:

संयुक्त राज्य अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र की सांस्कृतिक और शैक्षिक एजेंसी यूनेस्को (UNESCO) से हटने का निर्णय लिया है। यह फैसला कई राजनीतिक और वैचारिक मतभेदों के चलते लिया गया है, जिससे वैश्विक सांस्कृतिक सहयोग और शिक्षा क्षेत्र में अमेरिकी भूमिका पर असर पड़ सकता है।

UNESCO के बारे में (United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization)

- **स्थापना**: **1945** में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद; इसका संविधान **1946** में प्रभाव में आया।
- **उद्देश्य**: **शिक्षा**, **विज्ञान**, **संस्कृति** और **संचार** के माध्यम से **शांति और अंतरराष्ट्रीय सहयोग** को बढ़ावा देना।
- **मुख्यालय**: **पेरिस, फ्रांस**
- **सदस्य देश**:
  - कुल **194 सदस्य देश**
  - **12 सहयोगी सदस्य**
  - *(जुलाई 2025 तक; **संयुक्त राज्य अमेरिका** ने जुलाई 2023 में पुनः सदस्यता ली)*

प्रमुख शासी निकाय (Governing Bodies)

- जनरल कॉन्फ्रेंस (General Conference)
- कार्यकारी बोर्ड (Executive Board)

UNESCO की प्रमुख रिपोर्टें

- ग्लोबल एजुकेशन मॉनिटरिंग रिपोर्ट (Global Education Monitoring Report)
- संयुक्त राष्ट्र विश्व जल विकास रिपोर्ट (UN World Water Development Report)
- UNESCO विज्ञान रिपोर्ट: 2030 की ओर (UNESCO Science Report: Towards 2030)
- ग्लोबल ओशन साइंस रिपोर्ट (Global Ocean Science Report)

महत्वपूर्ण कार्यक्रम और पहल

- मानव और जीवमंडल कार्यक्रम (Man and the Biosphere - MAB Programme) – शुरू हुआ 1971 में
- अंतरराष्ट्रीय जलविज्ञान कार्यक्रम (International Hydrological Programme - IHP)
- ग्लोबल जियोपार्क नेटवर्क (Global Geoparks Network)
- विश्व धरोहर सम्मेलन (World Heritage Convention) – स्वीकृत 1972 में
- UNESCO क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क (UNESCO Creative Cities Network - UCCN)

अमेरिका द्वारा UNESCO से बाहर निकलने के कारण

1. **इज़राइल विरोधी झुकाव का आरोप**
   अमेरिका का कहना है कि UNESCO का रवैया इज़राइल के प्रति पक्षपाती (anti-Israel bias) रहा है।
2. **"अमेरिका फर्स्ट" नीति से असंगत विचारधारा**
   अमेरिका का मानना है कि UNESCO कुछ सामाजिक और सांस्कृतिक मुद्दों को बढ़ावा देता है जो उसकी **"America First" विदेश नीति** के अनुकूल नहीं हैं।
3. **संगठन में मूलभूत सुधार की आवश्यकता**
   अमेरिका को लंबे समय से UNESCO की कार्यप्रणाली और संरचना में **बुनियादी सुधारों की आवश्यकता** को लेकर चिंता रही है।

UNESCO से अमेरिका के हटने के प्रभाव

वित्तीय और संरचनात्मक प्रभाव

- अमेरिका UNESCO का एक **प्रमुख वित्तीय योगदानकर्ता** रहा है।
- इसके हटने से **UNESCO की बजट व्यवस्था** पर गहरा असर पड़ा है, जिससे **शिक्षा, संस्कृति और धरोहर संरक्षण** से जुड़े कई कार्यक्रम बाधित हो सकते हैं।

वैश्विक धरोहर और विज्ञान पर असर

- UNESCO दुनियाभर की **विश्व धरोहर** की निगरानी करता है।
- अमेरिका में 26 धरोहर स्थल UNESCO सूची में हैं।
- इन स्थलों को अब **संरक्षण के लिए धन और वैश्विक मान्यता** मिलने में कठिनाई हो सकती है।
- साथ ही, **नई धरोहर स्थलों के चयन में अमेरिका की भागीदारी भी घट सकती है।**

भूराजनीतिक और कूटनीतिक प्रभाव

- अमेरिका की अनुपस्थिति से वैश्विक मंच पर **अन्य शक्तियों** (विशेषकर **चीन**) को **अधिक प्रभाव** जमाने का मौका मिल सकता है।
- इसे **बहुपक्षीय व्यवस्था** से अमेरिका की **पीछे हटने** के रूप में देखा गया, जिससे अन्य देश भी **UN एजेंसियों को कम प्राथमिकता** दे सकते हैं।

यूपीआई: भारत अब तेज़ भुगतान में दुनिया में अग्रणी / UPI: India now leads the world in faster payments

संदर्भ:

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की रिपोर्ट *"Growing Retail Digital Payments: The Value of Interoperability"* में यह उल्लेख किया गया है कि भारत तेज डिजिटल भुगतान प्रणाली में वैश्विक नेतृत्वकर्ता बन चुका है। इस रिपोर्ट में विशेष रूप से यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) की क्रांतिकारी भूमिका को रेखांकित किया गया है, जिसने भारत में खुदरा डिजिटल भुगतान के परिदृश्य को पूरी तरह बदल दिया है।

रिपोर्ट के मुख्य बिंदु (Key Highlights of the Report):

डिजिटल भुगतान में वैश्विक नेतृत्व: भारत का UPI (Unified Payments Interface) अब दुनिया का नंबर 1 रीयल-टाइम पेमेंट सिस्टम बन चुका है।

UPI की जबरदस्त क्षमता: UPI प्रतिदिन 640 मिलियन (64 करोड़) से अधिक लेन-देन करता है, जबकि Visa के माध्यम से औसतन **639 मिलियन** लेन-देन होते हैं।

ताज़ा आँकड़े (जून 2025)

- **मासिक लेन-देन**: जून 2025 में **UPI ने 18 अरब से अधिक लेन-देन** किए।
- **मूल्य के लिहाज़ से**: सिर्फ जून महीने में **₹24.03 लाख करोड़** के लेन-देन हुए – पिछले वर्ष की तुलना में **32% की वृद्धि**।

UPI की व्यापक पकड़

- भारत में **डिजिटल भुगतानों का 85%** UPI के ज़रिए होता है।
- UPI अब **दुनिया के कुल रीयल-टाइम डिजिटल लेन-देन का लगभग 50%** संभालता है।

UPI की पहुंच: 491 मिलियन (49.1 करोड़) उपयोगकर्ता और **65 मिलियन (6.5 करोड़) व्यापारी** UPI का उपयोग कर रहे हैं।

इंटरऑपरेबिलिटी (Interoperability) का योगदान

- UPI ने बैंकों और ऐप्स के बीच **सच्ची इंटरऑपरेबिलिटी** को संभव बनाया।
- इससे यूजर को **स्वतंत्रता और विकल्प** मिले, और बाजार में **प्रतिस्पर्धा बढ़ी**, जिससे UPI का **तेजी से अपनाया जाना** संभव हुआ।

UPI का अंतरराष्ट्रीय विस्तार: UPI की वैश्विक उपस्थिति: UPI अब 7 देशों में सक्रिय है: यूएई, सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस, और मॉरिशस।

यूरोप में पहला कदम

- फ्रांस में UPI की एंट्री UPI का पहला यूरोपीय विस्तार है।
- इससे भारतीय उपभोक्ता और व्यवसाय विदेशों में भी सुविधाजनक भुगतान कर और प्राप्त कर सकते हैं।

BRICS में विस्तार

- भारत के प्रधानमंत्री ने **BRICS समूह में UPI को बढ़ावा** देने पर जोर दिया है।
- यह पहल **वित्तीय समावेशन (financial inclusion)** को बढ़ाने और **प्रवासियों के लिए रेमिटेंस फ्लो** को आसान बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

UPI (Unified Payments Interface) के बारे में

परिभाषा

- **UPI** एक ऐसा डिजिटल भुगतान प्रणाली है, जो उपयोगकर्ताओं को **एक ही मोबाइल एप्लिकेशन** के माध्यम से **कई बैंक खातों को लिंक** करने की सुविधा देता है।
- यह **बैंकिंग सुविधाओं, फंड ट्रांसफर**, और **व्यापारिक भुगतानों** को एकीकृत करता है।
- UPI के माध्यम से **मोबाइल फोन से तत्काल और रीयल-टाइम भुगतान** संभव होता है।

शुरुआत: UPI की शुरुआत **2016** में **नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI)** द्वारा की गई थी।

NPCI के बारे में

- **NPCI (नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया)** एक **गैर-लाभकारी संस्था** है, जिसे **2008** में **भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI)** और **इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (IBA)** ने मिलकर स्थापित किया था।
- इसका उद्देश्य **भारत में खुदरा भुगतान प्रणाली (retail payments system)** का संचालन और विकास करना है।
- यह **भौतिक और डिजिटल दोनों लेन-देन** के लिए एक **सुरक्षित और कुशल ढांचा** प्रदान करता है।

मुख्य विचार (Core Idea)

- UPI एक **एकीकृत प्रणाली** के तहत **675 से अधिक बैंकों** को जोड़ता है।
- यह डिजिटल लेन-देन को **आसान, तेज़ और किफायती** बनाता है।

वित्तीय समावेशन सूचकांक / Financial Inclusion Index

संदर्भ:

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) द्वारा जारी **वित्तीय समावेशन सूचकांक (Financial Inclusion Index - FI-Index)** में वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 4.3% की वृद्धि दर्ज की गई है। यह वृद्धि देश में बैंकिंग सेवाओं, डिजिटल लेनदेन और वित्तीय साक्षरता की दिशा में हो रहे सुधारों को दर्शाती है।

हालिया आंकड़ों के प्रमुख निष्कर्ष:

- **सूचकांक मूल्य (Index Value)** में वृद्धि हुई – **मार्च 2024 में 64.2** से बढ़कर **मार्च 2025 में 67** हो गया।
- यह वृद्धि **तीनों उप-सूचकांकों** – पहुंच, उपयोग और गुणवत्ता – में दर्ज की गई।
- **वित्त वर्ष 2024-25 (FY25)** में सुधार का मुख्य कारण रहा: उपयोग (Usage) और गुणवत्ता (Quality) में उल्लेखनीय वृद्धि।
- यह दर्शाता है कि अब लोग वित्तीय उत्पादों और सेवाओं से अधिक गहराई से जुड़ रहे हैं। साथ ही, यह वित्तीय साक्षरता अभियानों के सकारात्मक प्रभाव को भी रेखांकित करता है।

वित्तीय समावेशन क्या है? (What is Financial Inclusion?)

- वित्तीय समावेशन का अर्थ है कि व्यक्तियों और व्यवसायों को ऐसे किफायती वित्तीय उत्पाद और सेवाएं उपलब्ध हों, जो उनकी जरूरतों को पूरा करें।
- ये सेवाएं जिम्मेदारीपूर्वक और टिकाऊ तरीके से प्रदान की जाती हैं।
- इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर व्यक्ति को बैंकिंग, बीमा, निवेश और पेंशन सेवाओं तक पहुंच हो।

वित्तीय समावेशन सूचकांक (Financial Inclusion Index - FI-Index)

- यह एक **समग्र सूचकांक (comprehensive index)** है, जो **बैंकिंग, निवेश, बीमा, डाक और पेंशन क्षेत्रों** की जानकारी को सम्मिलित करता है।
- इसे सरकार और संबंधित **क्षेत्रीय विनियामकों (sectoral regulators)** की सलाह से तैयार किया गया है।

मुख्य विशेषताएं:

- यह **वित्तीय समावेशन के विभिन्न पहलुओं** को एक **अकेले मान (value)** में मापता है, जिसकी सीमा **0 से 100** के बीच होती है।
  - **0** का अर्थ है – **पूर्ण वित्तीय बहिष्करण (exclusion)**
  - **100** का अर्थ है – **पूर्ण वित्तीय समावेशन (inclusion)**

FI-Index के तीन प्रमुख घटक (Three Parameters of FI-Index):

1. **पहुंच (Access) – 35% वेटेज:** यह दिखाता है कि वित्तीय सेवाएं कितनी आसानी से उपलब्ध हैं।
2. **उपयोग (Usage) – 45% वेटेज:** यह बताता है कि लोग इन सेवाओं का कितनी बार और कितनी प्रभावी रूप से इस्तेमाल कर रहे हैं।
3. **गुणवत्ता (Quality) – 20% वेटेज** - इसमें शामिल हैं:
   - वित्तीय साक्षरता
   - उपभोक्ता संरक्षण
   - सेवाओं में असमानता और कमियों को कम करना

वित्तीय समावेशन का महत्त्व:

1. **उद्यमिता और व्यवसाय विकास में सहायक**: वित्तीय समावेशन लोगों को ऋण, बीमा और अन्य वित्तीय सेवाओं की पहुंच प्रदान करता है, जिससे नए व्यवसाय शुरू करना और मौजूदा व्यापार को बढ़ाना आसान होता है।
2. **सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) की प्राप्ति में सहायक**: यह 17 सतत विकास लक्ष्यों में से 7 लक्ष्यों को पूरा करने में प्रभावी भूमिका निभाता है।
3. **आर्थिक वृद्धि और रोजगार सृजन में योगदान**: इससे आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि होती है और रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं।
4. **महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाता है**: महिलाओं को बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं से जोड़कर आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देता है।
5. **गरीबी उन्मूलन में योगदान**: लोगों को औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जोड़कर सुरक्षित बचत, ऋण और बीमा सेवाएं उपलब्ध कराता है, जिससे गरीबी को कम करने में मदद मिलती है।
6. **जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं के प्रति सुरक्षा**: इससे प्रभावित लोगों और व्यवसायों को वित्तीय स्थिरता और पुनर्निर्माण में मदद मिलती है।
7. **FI-Index में वृद्धि का अर्थ**: FI-Index का बढ़ना यह दर्शाता है कि भारत ने वित्तीय सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता बढ़ाने में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है, विशेषकर कमज़ोर और वंचित वर्गों तक।

हाटी जनजाति / Haati Tribe

संदर्भ:

हिमाचल प्रदेश में हाल ही में सामने आई एक **बहुपति विवाह (Polyandrous Marriage) की घटना** ने एक बार फिर हाटी जनजाति की पारंपरिक प्रथाओं और सामाजिक रीति-रिवाजों को चर्चा में ला दिया है।

हाटी जनजाति के बारे में:

स्थान (Location)

- यह जनजाति मूलत: **हिमाचल प्रदेश के ट्रांस-गिरी क्षेत्र** और **उत्तराखंड के जौनसार-बावर क्षेत्र** में निवास करती है।

नदी क्षेत्र (Rivers)

- इनकी बस्तियाँ गिरी और टोंस नदियों के आसपास हैं, जो यमुना नदी की सहायक नदियाँ हैं।

नाम की उत्पत्ति (Etymology): "**हाटी**" शब्द की उत्पत्ति **"हाट"** से हुई है, जो परंपरागत **गाँव के बाज़ार** को दर्शाता है।

जनसंख्या:

- **2011** में इनकी जनसंख्या लगभग **2.5 लाख** थी; वर्तमान में अनुमानित **3 लाख** के करीब है।

सामाजिक और सांस्कृतिक संरचना:

पारंपरिक शासन व्यवस्था (Traditional Governance)

- **"खुम्बली"** नामक जनजातीय परिषद (tribal council) विवादों का समाधान और महत्वपूर्ण निर्णय लेती है।

सामाजिक वर्गीकरण (Social Structure)

- समाज दो भागों में विभाजित है:
  - **ऊँची जातियाँ**: भाट, खश (Bhat, Khash)
  - **निचली जातियाँ**: बधोईस (Badhois)

जीविकोपार्जन (Livelihood)

- इनकी **मुख्य आजीविका कृषि** पर निर्भर है।
- साथ ही, **ईको-टूरिज्म (eco-tourism)** से भी मौसमी आय होती है।

विकास से पिछड़ापन: भौगोलिक अलगाव (geographical isolation) के कारण ये शैक्षणिक और सामाजिक रूप से पिछड़े रहे हैं।

बहुपत्नीवाद और बहुपति-विवाह की कानूनी स्थिति:

कानूनी निषेध (Prohibition):

- हिंदू विवाह अधिनियम, 1955, विशेष विवाह अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (Bharatiya Nyaya Sanhita) के तहत बहुपत्नीवाद और बहुपति-विवाह प्रतिबंधित हैं।

अनुसूचित जनजातियों को छूट (Exemption for Scheduled Tribes):

- ये कानून स्वत: अनुसूचित जनजातियों पर लागू नहीं होते, जब तक कि केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित न किया जाए।

संवैधानिक प्रावधान:

- **अनुच्छेद 342** अनुसूचित जनजातियों को विशिष्ट कानूनी मान्यता प्रदान करता है।

कानूनी छूट की धारा:

- **हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 2(2)** कहती है कि जब तक केंद्र सरकार अधिसूचना जारी न करे, तब तक यह अधिनियम अनुसूचित जनजातियों पर लागू नहीं होगा।

परंपरा की मान्यता (Definition of Custom):

- किसी परंपरा को तभी मान्यता मिलती है जब वह:
  - दीर्घकालीन (long-standing),
  - उचित (reasonable),
  - और सार्वजनिक नीति के विरुद्ध न हो।

न्यायालयीन मान्यता:

- परंपरागत कानूनों को मान्यता देने के लिए न्यायालयों को स्पष्ट प्रमाण (clear evidence) की आवश्यकता होती है।

समान नागरिक संहिता (UCC), उत्तराखंड – 2024:

- अनुसूचित जनजातियों को स्पष्ट रूप से UCC से बाहर रखा गया है।

UCC नियमावली – 2025:

- यह पुष्टि करती है कि संविधान के भाग XXI के तहत संरक्षित समूहों पर UCC लागू नहीं होगा।

विंटर फॉग एक्सपेरिमेंट / WiFEX

संदर्भ:

वर्ष 2015 में शुरू किया गया **विंटर फॉग एक्सपेरिमेंट (WiFEX)** अब उत्तर भारत में घने शीतकालीन कोहरे की प्रकृति और उसके गतिशील व्यवहार पर दस वर्षों की अग्रणी अनुसंधान यात्रा पूरी कर चुका है।

परियोजना का परिचय (About):

मुख्य उद्देश्य:

- उच्च गुणवत्ता वाले अवलोकन डेटा (observational data) उत्पन्न करना और एक **विश्वसनीय कोहरा पूर्वानुमान मॉडल** (fog prediction model) विकसित करना।

नेतृत्व संस्थान:

- यह परियोजना **भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM), पुणे** द्वारा संचालित है, जो **पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES)** के अंतर्गत आता है।

प्रमुख क्षेत्र:

- **प्रारंभिक फोकस:** इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (IGIA), दिल्ली।
- **बाद में विस्तार:** उत्तर और पूर्वोत्तर भारत के अन्य बड़े हवाई अड्डे जैसे **गुवाहाटी और नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, जेवर** को भी **WiFEX-II** के तहत शामिल किया गया है।

SAFAR से संबंध (Link with SAFAR)

- **SAFAR (System of Air Quality and Weather Forecasting and Research)** भी IITM द्वारा संचालित एक प्रणाली है।
- यह प्रमुख शहरों में **वायु गुणवत्ता और मौसम पूर्वानुमान** प्रदान करती है।
- SAFAR रणनीतियों को समर्थन देता है जो **प्रदूषण नियंत्रण और मौसम संबंधी जोखिमों से निपटने** में सहायक होती हैं।

राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान / NIRD&PR

संदर्भ:

हाल ही में संसद की एक समिति ने **राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान (NIRD&PR)** के वर्तमान प्रशासन की आलोचना करते हुए उसकी तत्काल समीक्षा की सिफारिश की है।

राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (NIRD&PR) के बारे में:

स्थिति और अधीनता:

- यह एक **स्वायत्त संगठन (autonomous organisation)** है, जो **केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय** के अंतर्गत कार्य करता है।
- इसका मुख्यालय **तेलंगाना राज्य के ऐतिहासिक शहर हैदराबाद** में स्थित है।

प्रमुख विशेषताएँ:

- यह ग्रामीण विकास और पंचायती राज के क्षेत्र में **राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (Centre of Excellence)** है।
- इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर **UN-ESCAP (United Nations Economic and Social Commission for Asia and the Pacific)** के **Centres of Excellence** में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त है।

मुख्य कार्य:

- यह संस्थान निम्नलिखित लोगों की क्षमता वृद्धि (capacity building) करता है:
  - ग्रामीण विकास से जुड़े अधिकारी
  - पंचायत राज के निर्वाचित प्रतिनिधि (PRIs)
  - बैंकर्स
  - स्वयंसेवी संस्थाएँ (NGOs)
- यह कार्य मुख्यतः **प्रशिक्षण, अनुसंधान और परामर्श (training, research and consultancy)** के माध्यम से करता है।

स्मरणीय अवसर: संस्थान ने **2008 में अपनी स्थापना की स्वर्ण जयंती (Golden Jubilee)** मनाई थी।

अन्य केंद्र हैदराबाद के मुख्य परिसर के अतिरिक्त, संस्थान का एक **उत्तर-पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र (North-Eastern Regional Centre) गुवाहाटी, असम** में स्थित है, जो उत्तर-पूर्व भारत की आवश्यकताओं को पूरा करता है।

भारत NCX 2025 / Bharat NCX 2025

संदर्भ:

हाल ही में **भारत NCX 2025** साइबर सुरक्षा अभ्यास का आयोजन **नई दिल्ली** में किया गया। यह अभ्यास देश की साइबर सुरक्षा क्षमताओं को मजबूत करने, सरकारी एजेंसियों और विशेषज्ञों के बीच समन्वय बढ़ाने तथा उभरते डिजिटल खतरों से निपटने की तैयारी को परखने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

Bharat NCX 2025:

मुख्य उद्देश्य

- भारतीय साइबर स्पेस की संचालनिक (operational) तैयारी को बेहतर बनाना,
- लाइव सिमुलेशन (Live Simulations) और रणनीतिक अभ्यासों (Strategic Drills) के माध्यम से।

थीम (Theme): "भारतीय साइबर स्पेस की संचालनिक तैयारी को मजबूत बनाना"

नोडल एजेंसियाँ

- राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय
- राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय

रणनीतिक लक्ष्य (Strategic Goal)

- साइबर खतरों को रोकने की क्षमता को बढ़ाना
- कमज़ोरियों को कम करना
- राष्ट्रीय ढांचे (Critical Infrastructure) पर हुए साइबर हमलों के बाद शीघ्र रिकवरी सुनिश्चित करना

मुख्य विशेषताएँ (Key Features)

रणनीतिक नेतृत्व की भागीदारी: **STRATEX अभ्यास** में देश के शीर्ष नेतृत्व को **साइबर संकट की सिमुलेटेड स्थितियों** से निपटने में शामिल किया जाता है, ताकि **वास्तविक समय निर्णय लेने की क्षमता** बढ़ सके।

सरकारी-निजी क्षेत्र सहयोग (Public-Private Collaboration)

- CISO कॉन्क्लेव और स्टार्टअप प्रदर्शनी के माध्यम से
- नवाचार (Innovation) और भागीदारी (Collaboration) को प्रोत्साहन मिलता है,
- जिससे एक सुरक्षित और आत्मनिर्भर डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र (Digital Ecosystem) का निर्माण होता है।

MiG-21 विमान / MiG-21 aircraft

संदर्भ:

देश की सेवा में छह दशक से अधिक समय तक सक्रिय रहने के बाद, भारतीय वायुसेना (IAF) अपने अंतिम **MiG-21 बाइसन** लड़ाकू विमानों को **सितंबर 2025** में सेवामुक्त करने जा रही है। यह ऐतिहासिक निर्णय एक युग के अंत का संकेत है, क्योंकि MiG-21 विमानों ने भारत की वायु रक्षा प्रणाली में लंबे समय तक अहम भूमिका निभाई है।

MiG-21 विमान क्या है?

परिचय:

- **MiG-21** जिसे **मिकोयान-गुरेविच MiG-21** भी कहा जाता है, एक **एकल इंजन (single-engine)** और **एकल सीट (single-seater)** वाला **सुपरसोनिक जेट फाइटर और ग्राउंड अटैक विमान** है।
- इसे **1963 में भारतीय वायु सेना (IAF)** में शामिल किया गया था।

प्रमुख उपलब्धियाँ:

- यह **भारत का पहला सुपरसोनिक जेट विमान** था।
- कई दशकों तक यह **भारतीय वायु सेना के लड़ाकू बेड़े की रीढ़ (backbone)** बना रहा।

उत्पादन और संख्या:

- समय के साथ, भारत ने इसके **700 से अधिक विभिन्न संस्करणों** को प्राप्त किया।
- इनमें से कई विमानों का निर्माण **हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL)** द्वारा देश में ही किया गया।

युद्धों में भूमिका:

- **1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम** और
- **1999 के करगिल युद्ध** में इस विमान ने **महत्वपूर्ण भूमिका** निभाई थी।

SCIENCE BOOK
FREE
बुक की ख़रीद पर पाएं
100%
CASHBACK
Pathshala
Latest Edition
सामान्य अध्ययन
(General Studies)
जनरल साइंस &
टेक्नोलॉजी
एक दिवसीय
परीक्षाओं के लिए
I'M
Possible
Ankit Kumar Avasthi
BUY NOW FROM
APNI PATHSHALA APP.
पहले 7 दिन की बुकिंग पर बुक बिलकुल फ्री

GS FOUNDATION For

UPSC & STATE PSC

- ECONOMY
- POLITY
- HISTORY
- GEOGRPHY

1500X4 ~~6000/-~~

₹4500/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY 1 YEAR

GS FOUNDATION *For*

UPSC & STATE PSC

IF ANYONE INTRESTED IN ONLY

HISTORY

FEE ~~₹ 2000/-~~

₹1499/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY **1 YEAR**

GS FOUNDATION *For*

UPSC & STATE PSC

IF ANYONE INTRESTED IN ONLY

ECONOMY

FEE ~~₹ 2000/-~~

₹1499/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY **1 YEAR**

जानिए
भारतीय संविधान
CONSTITUTION
OF
INDIA
मात्र
1499/-Year
Enroll Now !
1 year
validity

GS FOUNDATION

Hand Written Notes

Pathshala | AI

BEST OFFER
1999Rs

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Bilingual

By Ankit Avasthi Sir

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,

और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

MONTHLY MAGAZINE

FREE!

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Billingual

ANKIT AVASTHI SIR

RAS FOUNDATION

HAND WRITTEN NOTES

अधिक जानकारी के लिए दिए
गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

BEST OFFER
4500 Rs

By Ankit Avasthi Sir

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
BBK
COUPON CODE
ANKIT500
Course fee
₹1999/-
Course fee
₹1499/-
Special
OFFER ON
Father's
DAY
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुआत

FOUNDATION COURSE OF MUTUAL FUND

COUPON CODE
ANKIT500

Invest in Knowledge Grow Your Wealth

Course fee
~~₹1999/-~~

Course fee
₹1499/-

Special
OFFER ON
Father's
DAY

Course Validity
1 YEAR

एक निवेश समझदारी से..

नई संस्करण
जी.ए फाउंडेशन
हैंडरिटन नोट्स
लॉन्च हो चुके हैं..
अभी खरीदें -
1999/-
(नियम और शर्तें लागू)
और पाएं साइंस की बुक फ्री (7 दिन तक)
भूगोल-I
भूगोल-II
इतिहास-I
इतिहास-II
अर्थव्यवस्था
भारतीय राजव्यवस्था
जनरल साइंस & टेक्नोलॉजी
Pathshala

CALL CENTRE

787158882

HOW MAY I HELP YOU

AnkitInspiresIndia

Download "Apni Pathshsla" app now!

Follow us: